एम0ए0 हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।

प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र)

पहला प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)
दूसरा प्रश्न पत्र – आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य
तीसरा प्रश्न पत्र – मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य
चौथा प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

द्वितीय सत्र

पांचवा प्रश्न पत्र – भारतीय काव्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना
छठवां प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य (निबन्ध, नाटक एवं अन्य गद्य विधाऐं)
सातवां प्रश्न पत्र – उपन्यास एवं कथा साहित्य
आठवां प्रश्न पत्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र
नौवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (भारतेन्दु युग से उत्तर छायावाद तक)

द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्र)

दसवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
ग्यारहवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (छायावादोत्तर हिन्दी कविता)
बारहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) लघु शोध प्रबन्ध
(ख) भारतीय साहित्य
(ग) जयशंकर प्रसाद
(घ) चंद्रकुंवर बर्तवाल
तेरहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) सूरदास
(ख) तुलसीदास
(ग) हिन्दी नाटक और रंगमंच
(घ) प्रेमचन्द

चतुर्थ सत्र

चौदहवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
पन्द्रहवां प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी और मीड़िया लेखन
सोलहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) संस्कृत
(ख) गढ़वाली लोक साहित्य
(ग) अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

सत्रहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) जनपदीय भाषा साहित्य (गढ़वाली भाषा साहित्य)
(ख) हिन्दी आलोचना साहित्य
(ग) अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया
अठ्ठारहवां प्रश्न पत्र – मौखिकी

प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र)

पहला प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

इकाई 01 –

- इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा एवं प्रविधि, काल विभाजन एवं नामकरण।
- आदिकाल – आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, नामकरण, सिद्ध, नाथ, जैन और रासो काव्य की प्रमुख साहित्यिक विशेषतायें।

इकाई 02 –

- मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, भक्ति आंदोलन, हिन्दी साहित्य के मध्यकाल के सन्दर्भ में रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा का चिन्तन।
- प्रमुख निर्गुण मार्गी सन्त कवि और उनकी काव्यगत विशेषतायें, भारतीय संस्कृति पर प्रभाव **तथा**
  भारत में सूफी मत का विकास, प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व।

इकाई 03 –

- रामभक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि एवं काव्य, रामभक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा का भारतीय संस्कृति में योगदान व उनकी सामाजिक–दार्शनिक पृष्ठभूमि।

इकाई 04 –

- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक–सामाजिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, दरबार लोक और सम्प्रदाय।
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख काव्य धाराएं – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य और वीर तथा नीतिपरक काव्य। प्रमुख कवि, काव्य और काव्यगत विशेषतायें।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग –1,2 – भगीरथ मिश्र।
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डे।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र।
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह।
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
10. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारी प्रसाद द्विवेदी।

दूसरा प्रश्न पत्र – आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

इकाई 01 –

- पृथ्वीराज रासो (पदमावती समय) प्रारम्भ के पन्द्रह पद।
- विद्यापति पदावली सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रारम्भ के पच्चीस पद।

इकाई 02 –

- कबीरदास, कबीर ग्रन्थावली सं0 श्यामसुन्दर दास। गुरूदेव को अंग – 3,6,12,17,20। विरह को अंग – 1,3,6,11,12। परचा को अंग – 4,7,8,12,14। पद संख्या – 2,10,11,15,16,19,27,40,43,44।
- जायसी – पदमावत सं0 रामचन्द्र शुक्ल, नागमती वियोग वर्णन खण्ड़।

इकाई 03 –

- रैदास, रैदास ग्रन्थावली। प्रारम्भ के बीस दोहे।
- रहीम, रहीम ग्रन्थावली, सं0 विद्यानिवास मिश्र। दोहा संख्या – 8,9,15,20,33,46,4749,57,68,75,93,96,105,140।

इकाई 04 –

- उपरोक्त कवियों से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल।
2. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – नामवर सिंह।
3. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह।
4. जायसी – विजयदेव नारायण साही।
5. जायसी एक नई दृष्टि – रघुवशं।
6. सूफीमत और हिन्दी सूफी काव्य – नरेश।

तीसरा प्रश्न पत्र – मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य

इकाई 01 –

- सूरदास, भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शुक्ल, व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक।
- तुलसीदास, रामचरितमानस (सुन्दर कांड), 01 से 50 तक के दोहे व चौपाइयां।

इकाई 02 –

- बिहारी, बिहारी रत्नाकर, सं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्या के लिए प्रारम्भ के 25 दोहे)।
- घनानन्द कवित्त, सं0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरम्भ के 20 छन्द)।

इकाई 03 –

- पदमाकर (जगत विनोद), व्याख्या हेतु पद
  1. सुंदर सुरंग नैन सोभित अनंग रंग
  2. झांकति है झरोखे लगी लग लागीबे
  3. ए ब्रजचंद चलौ किन वा लूकें
  4. वा अनुराग की फाग लखौ
  5. एक संग धाये नन्दलाल और गुलाल दोउ
  6. फाग की भीर अभीरन में गही गोविंद
- मतिराम (रसराज), व्याख्या हेतु पद
  1. कुन्दन को रंग फीकौ लगै
  2. कानन लौं लागे मुस्कान
  3. क्यों इन आंखिन
  4. गौने के द्यौस सिंगारन को
  5. मानहु पायौ है राज कहुं
  6. मोरपखा मतिराम किरीट

इकाई 04 –

- सेनापति (ऋतु वर्णन), व्याख्या हेतु पद
  1. वर्षा ऋतु – सेनापति उनए गए जलद सावन के
  2. शरद ऋतु – कातिक की राति थोरी
  3. हेंमत ऋतु – सीत को प्रबल सेनापति
  4. बसंत ऋतु – लाल लाल टेसू फूलि रहे हैं
  5. ग्रीष्म ऋतु – वृष को तरनि तेज
  6. शिशिर ऋतु – शिशिर में ससि को, सरूप पवै सबिताऊ

- रसखान रचनावली, सं0 विद्यानिवास मिश्र/सत्यदेव मिश्र (व्याख्या हेतु सवैया संख्या – 1,2,3,5,10,16)

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह।
2. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी – रामसागर त्रिपाठी।
3. तुलसीदास – रामचन्द्र तिवारी।
4. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह।
5. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह।
7. मतिराम – त्रिभुवन सिंह।
8. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल।
9. पदमाकर कवि – शुकदेव दुबे।
10. रसखान काव्य और आलोचना – ब्रजभूषण सावलिया।
11. पदमाकर – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

चौथा प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)।

इकाई 01 –

- आधुनिक बोध का स्वरूप, मध्यकालीन साहित्य का आधुनिक साहित्य में रूपान्तरण, आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युग – प्रमुख साहित्यकार और उनकी काव्यगत विशेषताऐं।

इकाई 02 –

- द्विवेदी युग – काव्यगत विशेषताऐं एवं रचनाकार।
- हिन्दी स्वछन्दतावादी काव्य का विकास, छायावाद और उत्तर छायावादी काव्य की काव्यगत विशेषताऐं।

इकाई 03 –

- प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता के प्रमुख कवि और काव्यगत विशेषताऐं।

इकाई 04 –

- हिन्दी गद्य का विकास और गद्य के विकास की वैचारिक पृष्ठभूमि।
- हिन्दी गद्य की विविध विधाओं का विकास।

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा।
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह।
4. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – इकबाल सिंह।
5. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य – इन्द्रनाथ मदान।
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह।
7. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति – शम्भूनाथ सिंह।
8. हिन्दी वांग्मय : बीसवीं शती – सं0 नगेन्द्र।

द्वितीय सत्र

पांचवां प्रश्न पत्र – भारतीय काव्य शास्त्र और हिन्दी आलोचना।

इकाई 01 –

- संस्कृत काव्य शास्त्र का परिचय, काव्य लक्षण, काव्यहेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के भेद।
- रस सिद्धान्त – स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई 02 –

- अलंकार सिद्धान्त की मूल स्थापनाऐं।
- रीति सिद्धान्त, काव्य गुण, रीति और शैली।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त की मुख्य अवधारणऐं एवं भेद।

इकाई 03 –

- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाऐं, ध्वनि काव्य के भेद।
- औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाऐं।

इकाई 04 –

- हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक व उनके सिद्धान्त (रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह)।
- हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृतियां – शास्त्रीय, स्वछंदतावादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, ऐतिहासिक–सामाजिक, समाजशास्त्रीय।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. भारतीय साहित्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय।
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र।
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र।
4. भारतीय काव्यशास्त्र – राममूर्ति त्रिपाठी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली।
6. हिन्दी आलोचना का सैद्धान्तिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल।
7. हिन्दी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल।
8. हिन्दी साहित्य शास्त्र – नंदकिशोर नवल।
9. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी आलोचना – निर्मला जैन।
10. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी।

छठवां प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य (निबन्ध, नाटक एवं अन्य गद्य विधाऐं)।

इकाई 01 –

- नाटक – चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)।
  लहरों के राजहंस (मोहन राकेश)।

इकाई 02 – निबन्ध।

- अद्भुत अपूर्व स्वप्न – भारतेन्दु हरीशचन्द्र।
- कविता क्या है – रामचन्द्र शुक्ल।
- अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
- उत्तराखण्ड़ में सन्त मत और सन्त साहित्य – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल।
- शिक्षा का उद्देश्य – महादेवी वर्मा।
- भारतीयता – अज्ञेय।

इकाई 03 –

- पथ के साथी (महादेवी वर्मा) निराला और प्रसाद पर लिखे संस्मरण।

इकाई 04 –

- रामवृक्ष बेनीपुरी की पुस्तक 'माटी की मूरतें' से एक रेखाचित्र – रजिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
2. हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख – सं0 इन्द्रनाथ मदान।
3. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविन्द चातक।
4. नाटककार मोहन राकेश – पुष्पा वंसल।
5. साहित्य में गद्य की नयी विधाऐं – कैलाशचंद्र भाटिया।

सातवां प्रश्न पत्र – उपन्यास एवं कथा साहित्य।

इकाई 01 –

- गोदान – प्रेमचन्द।

इकाई 02 –

- मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु।

इकाई 03 –

- शेखर एक जीवनी – अज्ञेय।

इकाई 04 – हिन्दी कहानी।

- उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी।
- कफन – प्रेमचन्द।
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद।
- दोपहर का भोजन – अमरकान्त।
- राजा निरवंसिया – कमलेश्वर।
- पिता – ज्ञानरंजन।
- जंगलजातकम – काशीनाथ सिंह।
- पालगोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. गोदान : पुनर्मूल्यांकन – गोपाल राय।
2. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र।
3. राष्ट्रीय आन्दोलन और हिन्दी उपन्यास – तेज सिंह।
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव।
5. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय।
6. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह।
7. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति – सं0 देवीशंकर अवस्थी।
8. कहानी पाठ और प्रक्रिया – सुरेन्द्र चौधरी।

आठवां प्रश्न पत्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र

इकाई 01 –

- प्लेटो के काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू का अनुकरण, त्रासदी व विरेचन सिद्धान्त
- लॉंजाइनस की उदात्त की अवधारणा

इकाई 02 –

- वर्डसवर्थ का काव्य भाषा सिद्धान्त
- कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त
- मैथ्यू आर्नाल्ड – कला और नैतिकता, आलोचना के प्रकार्य

इकाई 03 –

- आई0ए0 रिचर्डस – काव्य मूल्य, संवेगों सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना
- टी0एस0 इलियट – परम्परा और व्यैक्तिक प्रज्ञा, निर्व्यैक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण

इकाई 04 –

- नई समीक्षा, स्वछंदतावाद, शास्त्रीयतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद, संरचनावाद और विखण्ड़नवाद

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली।
2. काव्य चिन्तन की पश्चिमी परम्परा – निर्मला जैन।
3. उदात्त के विषय में – निर्मला जैन।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – निर्मला जैन।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ – सत्यदेव मिश्र।
7. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ0 नगेन्द्र।
8. उत्तर आधुनिकता कुछ विचार – सं0 देवीशंकर नवीन।

नौवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (भारतेन्दु युग से उत्तर छायावाद तक)

इकाई 01 –

- मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नौवां सर्ग।
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास का प्रथम सर्ग।

इकाई 02 –

- जयशंकर प्रसाद – कामायनी का लज्जा सर्ग।
- सुमित्रानन्दन पंत – प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण, बादल, नौका विहार, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, ताज, पर्वत प्रदेश में पावस।

इकाई 03 –

- निराला – राम की शक्ति पूजा, बादल राग 1 और 2, सरोज स्मृति।
- महादेवी वर्मा – यामा के प्रारम्भिक चार गीत।

इकाई 04 –

- रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिरथी सर्ग तीन से (वर्षों तक वन में घूम घूम..... दोनों पुकारते थे जय जय।)
- हरिवंशराय बच्चन – मधुशाला प्रारम्भ के बीस छन्द, इस पार प्रिये मधु है।

सहायक ग्रन्थ –

1. निराला की साहित्य साधना, भाग 1,2 और 3 – रामविलास शर्मा।
2. कामायनी रूपक – विनय।
3. प्रसाद का पूर्ववर्ती काव्य – उषा मिश्र।
4. प्रसाद निराला और पंत : छायावाद और उसकी वृहत त्रयी – विजय बहादुर सिंह।
5. साकेत एक अध्ययन – नगेन्द्र।
6. छायावाद – नामवर सिंह।
7. महादेवी – बच्चन सिंह।
8. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध।
9. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी।

द्वितीय वर्ष – तृतीय सत्र

दसवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई 01 –

- भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा परिवर्तन के कारण, दिशाऐं, भाषिक संरचना के स्तर और प्रकार्य, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार।

इकाई 02 –

- स्वन विज्ञान – स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाऐं, वाक अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिम की अवधारणा और भेद।

इकाई 03 –

- रूपिम विज्ञान – रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाऐं, रूपिम की अवधारणा और भेद – मुक्त और आबद्ध, सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व।
- वाक्य विज्ञान – परिभाषा, भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

इकाई 04 –

- अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाऐं, पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी।
2. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिंह।
3. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा।
4. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा।

ग्यारहवां प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य (छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

इकाई 01 –

- अज्ञेय – नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, यह दीप अकेला, असाध्य वीणा।
- मुक्तिबोध – अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस, भूल गलती, आत्मा के मित्र मेरे।

इकाई 02 –

- नागार्जुन – सिंदूर तिलकित भाल, अकाल के बाद, फसल, प्रतिबद्ध हूँ....., अमल धवल हिमगिरी के शिखरों पर।
- रघुवीर सहाय – दो अर्थ का भय, बडी हो रही लडकी, रामदास, औरत की जिंदगी।

इकाई 03 –

- केदारनाथ सिंह – सुई और तागे के बीच में, उस आदमी को देखो, बाघ 1,2,3 और 4।
- शमशेर बहादुर सिंह – एक पीली शाम, उषा, काल तुझसे होड़ है मेरी।

इकाई 04 –

- वीरेन डंगवाल – या देवी, परम्परा, दुष्चक्र में स्रष्टा।
- मंगलेश डबराल – यहां थी वह नदी, पहाड़ पर लालटेन, आवाजें, संगतरास।

सहायक ग्रन्थ –

1. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
2. कविता के नऐ प्रतिमान – नामवर सिंह।
3. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
4. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह।
5. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान का विकास – केदारनाथ सिंह।

बारहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) लघु शोध प्रबन्ध

छात्र/छात्रा विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से लघु शोध प्रबन्ध के विषय का चयन करेंगे। लघु शोध प्रबन्ध लगभग पचास पृष्ठों का होना चाहिए, जिसका मूल्यांकन आन्तरिक एवं वाह्य परीक्षक द्वारा होगा। लघु शोध प्रबन्ध का चयन वही छात्र कर सकते हैं जिन्होने एम0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में न्यूनतम 60 % अंक प्राप्त किये हों।

विकल्प (ख) भारतीय साहित्य

इकाई 01 –

- भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याऐं, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
- भारतीयता का समाजशास्त्र।

इकाई 02 –

- दाक्षिणात्य भाषा वर्ग – तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम।
- पूर्वांचल भाषा वर्ग – उड़िया, बंगला, असमिया, मणिपुरी।
- पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग – मराठी, गुजराती, कश्मीरी, उर्दू।
  उपरोक्त भाषाओं के साहित्य की विशेषताऐं और प्रतिनिधि साहित्यकार।

इकाई 03 – पाठ्य पुस्तकें

- संस्कार – (कन्नड़) यू0आर0 अनन्तमूर्ति।

इकाई 04 –

- बीच का रास्ता नहीं होता। पाश (पंजाबी कविता संग्रह)।
- घासीराम कोतवाल। विजय तेन्दुलकर (मराठी नाट्क)।

सहायक ग्रन्थ –

1. भारतीय साहित्य – नगेन्द्र।
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याऐं – रामविलास शर्मा।
3. आधुनिक भारतीय चिन्तन – विश्वनाथ नरवणे।
4. भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी।
5. भारतीय साहित्य – मूलचन्द गौतम।

विकल्प (ग) जयशंकर प्रसाद

इकाई 01 –

- कामायनी – आशा, श्रद्धा, इडा और काम सर्ग।
- लहर काव्य संग्रह की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित कविताऐं।

इकाई 02 –

- ध्रुवस्वामिनी नाट्क

इकाई 03 –

- कंकाल उपन्यास।
- प्रतिध्वनि, आकाशदीप, पुरस्कार, मधुवा कहानियां।

इकाई 04 –

- काव्य कला तथा अन्य निबन्ध (प्रथम और अंतिम निबन्ध)।

नोट – पाठ्यक्रम में जयशंकर प्रसाद का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे वाजपेई।
2. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल।
3. प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास।
4. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
5. प्रसाद का गद्य साहित्य – राजमणि शर्मा।
6. कामायनी का पुनर्मुल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
7. प्रसाद साहित्य में अतीत चिन्तन – धर्मपाल कपूर।

विकल्प (घ) चंद्रकुंवर बर्तवाल

चंद्रकुंवर बर्तवाल के निम्नलिखित पाठ्य ग्रन्थ पाठ्यक्रम में हैं –

1. मेघनन्दिनी।
2. पयस्विनी।
3. विराट ज्योति।
4. गीत माधवी एवं जीतू।
5. कंकड़ पत्थर।

नोट – पाठ्यक्रम में चंद्रकुंवर बर्तवाल का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. छायावाद के आधार स्तम्भ – गंगा प्रसाद पाण्डेय।
2. छायावाद – सम्भूनाथ सिंह।
3. चंद्रकुंवर, काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – श्रीकंठ, जय श्री ट्रस्ट, 310, बसन्त विहार, देहरादून।

तेरहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) सूरदास

इकाई 01 –

- सूरसागर (दोनों खण्ड़), सं0 नन्ददुलारे वाजपेई।

इकाई 02 –

- कृष्णभक्ति शाखा की दार्शनिक पृष्ठभूमि और सूरदास, सामाजिक सांस्कृतिक अवदान, सूर का वातसल्य।

इकाई 03 –

- भ्रमरगीत परम्परा और सूरदास, भ्रमरगीत में सूर की मौलिक उदभावनायें और उद्देश्य।

इकाई 04 –

- भ्रमरगीत में गोपियों का वाग्वैदग्धय, सूर का काव्य शिल्प – अलंकार, बिम्ब और गीतात्मकता आदि।

सहायक ग्रन्थ –

1. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम।
2. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल।
3. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय।

5. सूर और उनका साहित्य – हरवशं लाल शर्मा।

विकल्प (ख) तुलसीदास

पाठ्यग्रन्थ –

- रामचरितमानस – बालकाण्ड और अयोध्याकाण्ड।
- विनयपत्रिका – प्रारम्भ के पचास पद।
- कवितावली – सम्पूर्ण।

नोट – पाठ्यक्रम में तुलसीदास का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल।
2. तुलसी दर्शन – डॉ0 बलदेव मिश्र।
3. तुलसी मीमांशा – डॉ0 उदयभान सिंह।
4. तुलसी विविध संदर्भों में – डॉ0 वचन देव कुमार।
5. तुलसी साहित्य और साधना – डॉ0 इन्द्रपाल सिंह।

विकल्प (ग) हिन्दी नाटक और रंगमंच

इकाई 01 –

- अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरीशचन्द्र।
- आधे अधूरे – मोहन राकेश।
- अंधा युग – धर्मवीर भारती।
- संशय की एक रात – नरेश मेहता।

इकाई 02 –

- हिन्दी रंगमंच का इतिहास – अव्यवसायिक, व्यवसायिक, पेशेवर, शौकिया, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, आजादी के बाद का रंगमंच।

इकाई 03 –

- भरत, स्तानिस्लावस्की और बर्टोल्ट ब्रेख्ट के अभिनय सिद्धान्त।

इकाई 04 –

- भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद और मोहन राकेश का नाट्य चिन्तन।

सहायक ग्रन्थ –

1. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी।
2. नाट्य शास्त्र – राधा वल्लभ त्रिपाठी।
3. रंगमंच – बलवन्त गार्गी।
4. रंगदर्शन – नेमिचन्द्र जैन।
5. पारम्परिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
6. पारसी हिन्दी रंगमंच – लक्ष्मी नारायण लाल।
7. नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
8. भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाऐं और नाट्यशालाऐं – विश्वनाथ शर्मा।
9. ग्रीक नाट्य कला कोष – कमल नसीम।
10. हिन्दी नाट्क और रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव – सुरेश वशिष्ठ।
11. खड़िया का घेरा (भूमिका) – सं0 कमलेश्वर।
12. स्तानिस्लावस्की : चरित्र की रचना प्रक्रिया – अनु0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
13. स्तानिस्लावस्की : अभिनेता की तैयारी – अनु0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

विकल्प (घ) प्रेमचन्द

निम्नलिखित रचनायें पाठ्यक्रम में हैं –

1. रंगभूमि।
2. कर्मभूमि।
3. कुछ विचार।
4. मानसरोवर (खण्ड़ 1)।

नोट – पाठ्यक्रम में प्रेमचन्द का सम्पूर्ण साहित्य है। उपरोक्त पुस्तकों का निर्देश केवल व्याख्या के लिए किया गया है।

सहायक ग्रन्थ –

1. प्रेमचन्द एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान।
2. कथाकार प्रेमचन्द – जाफर रजा।
3. कहानीकार प्रेमचन्द : रचना दृष्टि और रचना शिल्प – शिव कुमार मिश्र।
4. प्रेमचन्द और भारतीय किसान – रामवक्ष।
5. प्रेमचन्द का सौन्दर्यशास्त्र – नंदकिशोर नवल।
6. प्रेमचन्द के उपन्यासों की कथा संरचना – मीनाक्षी श्रीवास्तव।
7. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा।

चतुर्थ सत्र

चौदहवां प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

इकाई 01 –

- हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाऐं – वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत।
- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाऐं – पालि, प्राकृत, अपभ्रशं और उनकी विशेषताऐं।
- आरंभिक या पुरानी हिन्दी।

इकाई 02 –

- हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की प्रमुख उपभाषाऐं, खड़ी बोली के रूप में हिन्दी का विकास, दखिनी हिन्दी।
- प्रमुख बोलियां – व्रज, अवधि और खड़ी बोली की विशेषताऐं व उनकी विरासत।

इकाई 03 –

- हिन्दी का भाषिक स्वरूप – हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था। हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना।
- रूपरचना – लिंग, वचन, कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व क्रियारूप। हिन्दी वाक्य रचना – पदक्रम और अन्विति।

इकाई 04 –

- हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी और हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – गुणानन्द जुयाल।
2. हिन्दी भाषा : अतीत से आज तक – विजय अग्रवाल।
3. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी।
4. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी।
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याऐं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा।
6. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदय नारायण तिवारी।

पन्द्रहवां प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी और मीड़िया लेखन

इकाई 01 –

- प्रयोजन मूलक हिन्दी का स्वरूप, अभिप्राय, उद्देश्य तथा क्षेत्र – सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी तथा प्रशासनिक हिन्दी का सम्बन्ध एवं अन्तर।
- प्रयोजन मूलक हिन्दी के प्रकार – प्रशासनिक, कार्यालयी, वित्त–वाण्ज्यि, बैंकिंग, बीमा, व्यापार, विधि, विज्ञापन एवं संचार माध्यम आदि।

इकाई 02 –

- प्रशासनिक व्यवस्था में हिन्दी – पत्राचार का स्वरूप एवं महत्व, पत्राचार के प्रकार, सरकारी–अर्द्धसरकारी पत्र, ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, पृष्ठांकन, टिप्पणी, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति आदि।
- प्रशासनिक भाषा की विशेषताऐं – विशिष्ट प्रयुक्तियां, क्रिया शब्द, पदबन्ध, पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालयी हिन्दी की प्रयुक्तियां।

इकाई 03 –

- मीडिया लेखन – जनसंचार के श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषिक विशेषताऐं, सोशल मीडिया और इन्टरनेट।

इकाई 04 –

- टेली–ड्रामा/डॉक्यूमेन्टरी ड्रामा आदि के लिए पटकथा लेखन एवं संवाद लेखन, विज्ञापनों की भाषिक विशेषताऐं, इन्टरनेट सामग्री सृजन, ब्लॉग का स्वरूप, ब्लॉग निर्माण और हिन्दी ब्लॉग।

सहायक ग्रन्थ –

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।
2. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार – राजेन्द्र मिश्र।
4. कामकाजी हिन्दी – कैलाश चन्द्र भाटिया।
5. जनसंपर्क प्रचार एवं विज्ञान – विजय कुलश्रेष्ठ।
6. सूचना प्रौद्योगिकी और जन माध्यम – हरिमोहन।

सोलहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) संस्कृत

इकाई 01 –

- कादम्बरी (केवल शुकनासोपदेश) – बाणभट्ट।

इकाई 02 –

- कुमारसम्भवम् (पंचम सर्ग) – कालिदास।

इकाई 03 –

- ऋतु वर्णन समुच्चय (केवल बसन्त ऋतु वर्णन) – वाल्मीकि।

इकाई 04 –

- संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय और संधि व समास पर आधारित प्रश्न।

नोट – केवल वे ही छात्र यह प्रश्न पत्र ले सकते हैं जिन्होने इण्टरमीडिएट से उपर की कक्षाओं में संस्कृत विषय का अध्ययन न किया हो।

सहायक ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए0 वी0 कीथ।
2. संस्कृत नाट्क – ए0 वी0 कीथ।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय।
4. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास।
5. उपमा कालिदासस्य – शशिभूषण दास गुप्त।
6. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – चन्द्रशेखर।
7. बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी – महेश भारती।

विकल्प (ख) गढ़वाली लोक साहित्य

इकाई 01 –

- लोक साहित्य की अवधारणा और गढ़वाली लोक साहित्य, लोक संस्कृति और लोक साहित्य का सम्बन्ध, गढ़वाली भाषा का विकास, शब्द सम्पदा और अर्थ भेद।
- लोक साहित्य की विविध विधाऐं और गढ़वाली लोक साहित्य की विविध विधाओं का परिचय।

इकाई 02 –

- लोकगीत का स्वरूप और विशेषताऐं, गढ़वाली लोकगीतों की विशेषताऐं और उनका वर्गीकरण।
- लोकगाथा का अर्थ, स्वरूप और विशेषताऐं, गढ़वाली लोकगाथाओं की विशेषताऐं और उनका वर्गीकरण।

इकाई 03 –

- लोककथा का स्वरूप और विशेषताऐं, गढ़वाली लोककथाओं की विशेषताऐं।
- गढ़वाली पखाणा एवं आणा (पहेली एवं लोकोक्तियां)।
- गढ़वाली लोकगीतों, लोकगाथाओं, लोककथाओं और प्रकीर्ण साहित्य में प्रतिबिम्बित गढ़वाली समाज और जन अनुभवों का समाजशास्त्रीय अध्ययन।

इकाई 04 –

- गढ़वाली लोक वाद्य, ढोल सागर, औजी–बादी और नंदाजात।
- गढ़वाल के प्रसिद्ध लोक साहित्य संकलनकर्ता और लोक साहित्य में उनका योगदान।

सहायक ग्रन्थ –

1. लोक साहित्य विज्ञान – सत्येन्द्र।
2. गढ़वाली लोक गीत : एक सांस्कृतिक अध्ययन – गोविन्द चातक।
3. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट शैलेश।
4. गढ़वाल के लोकगीत और लोकनृत्य – शिवानन्द नौटियाल।
5. गढ़वाली लोक साहित्य का सन्दर्भ : मध्य हिमालय – गोविन्द चातक।
6. गढ़वाली लोकमानस – शिवानन्द नौटियाल।
7. भारतीय लोक साहित्य कोश, खण्ड़ 4 – सुरेश गौतम।

विकल्प (ग) अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

इकाई 01 –

- अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाऐं।
- प्राचीन परम्परा, इतिहास और पृष्ठभूमि, आधुनिक अनुवाद कर्म : अनुवाद की प्रक्रिया, भाषिक विश्लेषण, अन्तरण और पुनर्गठन, रूपान्तरण और मिश्रण के नये रूप।

इकाई 02 –

- दुभाषिया कर्म, आशु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कम्प्यूटर अनुवाद आदि।

इकाई 03 –

- अनुवाद के क्षेत्र और प्रकार – कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य, विधि, मानविकी आदि।
- अनुवाद की समस्याऐं, सृजनात्मक या साहित्यिक अनुवाद की समस्याऐं, वैज्ञानिक–तकनीकी अनुवाद की समस्याऐं, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याऐं आदि।

इकाई 04 –

- अनुवाद के उपकरण – कोश, पारिभाषिक शब्दकोश, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।
- अनुवादक के गुण।
- पाठ् की अवधारणा और प्रकृति : पाठ् शब्द, प्रति शब्द, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।

सहायक ग्रन्थ –

1. अनुवाद कला – एन0 ई0 विश्वनाथ अय्यर।
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग – नगेन्द्र।
3. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याऐं – रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
4. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग – जी0 गोपीनाथन।
5. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – रीता रानी पालीवाल।
6. अनुवाद की समस्याऐं – जी0 गोपीनाथन।
7. अनुवाद के विविध आयाम – पूरन चन्द्र टण्डन।

सत्रहवां प्रश्न पत्र – (विकल्प) (क) जनपदीय भाषा साहित्य (गढ़वाली भाषा साहित्य)

इकाई 01 –

- बुराशं की पीड़ – मोहन लाल नेगी।
- सदेई – तारदत्त गैरोला, (प्रारम्भ के पचास छन्द)।
- सिंह सूक्तियां, हमारि जननि – भजन सिंह 'सिंह', देव बण को वर्णन – चन्द्रमोहन रतूड़ी, ढिमढिग – भगवती चरण निर्मोही, ब्वै की चिट्ठी – सुदामा प्रसाद प्रेमी, मुट्ठ बोटिक रख – नरेन्द्र सिंह नेगी।
- खबेश – प्रेमलाल भट्ट (निबन्ध), क्या गोरी क्या सौळी – गोविन्द चातक (निबन्ध)।

इकाई 02 –

- गढ़वाली भाषा और साहित्य का उद्भव, विकास और मुख्य साहित्यिक प्रवृतियां।

इकाई 03 –

- कहानी और निबन्ध पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई 04 –

- कविता पर आधारित आलोचनात्कम प्रश्न।

सहायक ग्रन्थ –

1. गढ़वाली लोक गीत : एक सांस्कृतिक अध्ययन – गोविन्द चातक।
2. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट शैलेश।
3. गढ़वाल के लोकगीत और लोकनृत्य – शिवानन्द नौटियाल।
4. गढ़वाली लोक साहित्य का सन्दर्भ : मध्य हिमालय – गोविन्द चातक।
5. गढ़वाली लोकमानस – शिवानन्द नौटियाल।

विकल्प (ख) हिन्दी आलोचना साहित्य

इकाई 01 –

- साहित्य और आलोचना का सम्बन्ध, आलोचना और आलोचक का सामाजिक–सांस्कृतिक दायित्व, आलोचना और समाज।
- आचार्य शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना – भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु, पदम सिंह शर्मा आदि।

इकाई 02 –

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की सैद्धान्तिक और व्यवहारिक आलोचना।

इकाई 03 –

- शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना – हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नन्ददुलारे वाजपेई, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

इकाई 04 –

- रचनाकार आलोचक – प्रेमचन्द, प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी, दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही।

सहायक ग्रन्थ –

1. चिन्तामणि भाग 1 और 2 – रामचन्द्र शुक्ल।
2. भारतेन्दु हरिशचन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याऐं – रामविलास शर्मा।
3. आस्था और सौन्दर्य – रामविलास शर्मा।
4. नई कविता का आत्मसंघर्ष और अन्य निबन्ध – मुक्तिबोध।
5. एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध।
6. सर्जना और सन्दर्भ – अज्ञेय।
7. रचना और आलोचना – देवीशंकर अवस्थी।
8. आलोचना और आलोचना – देवीशंकर अवस्थी।
9. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह।
10. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय।
11. छठवां दशक – विजयदेव नारायण साही।
12. यथार्थवाद – शिव कुमार मिश्र।
13. कविता से साक्षात्कार – मलयज।
14. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह।
15. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह।
16. आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धान्त – सुरेश चन्द्र गुप्त।

विकल्प (ग) अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया

इकाई 01 –

- अनुसंधान : स्वरूप, मूल तत्व और प्रकार।
- अनुसंधान और आलोचना।

इकाई 02 –

- विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन, शोध कार्य का विभाजन : अध्याय, शीर्षक, उपशीर्षक और अनुपात।
- रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रन्थ सूची, सन्दर्भ उल्लेख, पाद टिप्पणी।

इकाई 03 –

- साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग।
- साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग।
- हिन्दी अनुसंधान में सम्बद्ध विषयों की भूमिका।

इकाई 04 –

- पाठानुसंधान, हस्तलेखों का संकलन व उपयोग।
- भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान।

सहायक ग्रन्थ –

1. अनुसंधान का स्वरूप – सं0 सावित्री सिन्हा।
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – सं0 सावित्री सिन्हा व विज्येन्द्र स्नातक।
3. शोध प्रविधि – विनय मोहन शर्मा।

अठ्ठारहवां प्रश्न पत्र – मौखिकी

SYLLABUS

Sri Dev Suman Uttarakhand Vishwavidyalaya

Badshahithaul,Tehri (Garhwal)

M.A. HISTORY 02 YEARS SEMESTER SYSTEM

(Effective from Academic Session: 2018-19)

SYLLABUS COMMITTEE

1. Prof. (Dr.) Sohan Lal Bhatt — Convener
   Principal
   Government Degree College
   Chakrata (Dehradun)

2. **Dr. Ravi Sharan Dixit** — Member
   Department of History
   D.A.V. (P.G.) College
   Dehradun

3. **Dr. Sunil Kumar** — Member
   Department of History
   Government Degree College
   Chakrata (Dehradun)

Scanned with OKEN Scanner

Sri Dev Suman Uttarakhand Vishwavidyalaya
Badshahithaul, Tehri (Garhwal)
Syllabus for Postgraduate course in History
M. A. First Semester

Paper I: Historiography- Concepts and Traditions
Paper II: Sources of Indian History
Paper III: World History (1453 A.D. to 1789 A.D.)
Paper IV: Political History of Ancient India (Harappan Period to 1206 A.D.)

M. A. Second Semester

Paper I: Political History of Great Britain (1815 A.D. to 1919 A.D.)
Paper II: Political and Cultural History of Uttarakhand
Paper III: World History (1789 A.D. to 1945 A.D.)
Paper IV: Political History of Medieval India (1206 A.D. to 1707 A.D.)
Paper V: Viva-Voce / Dissertation

M.A. Third Semester

Paper I: Social, Economic and Cultural History of India (Harappan Period to 1206 A.D.)
Paper II: Social, Economic and Cultural History of India (1206 A.D.- 1707 A.D.)
Paper III: World History (1945 A.D. to 2000 A.D.)
Paper IV (a): Ecology and Environment in History
Paper IV (b): Tourism in India
Paper IV (c): Women in Indian History

M.A. Fourth Semester

Paper I: Research Methodology
Paper II: Political History of Modern India (1707 A.D. - 1857 A.D.)
Paper III: National Movement and Constitutional Development of India (1858 A.D.- 1950 A.D.)
Paper IV: Social, Economic and Cultural History of India (1707 A.D.- 1950 A.D.)
Paper V: Viva-Voce/ Dissertation

Note:- Each Semester will have four papers of 100 marks each; out of which 80 marks will be allotted for Semester End Examination and 20 marks will be earmarked for Sessional/Internal Assessment. The minimum marks required to pass any paper in a semester shall be 45% in theory and 45% in Sessional/Internal Assessment separately. In Semester 2nd and 4th Viva-voce/Dissertation will be fifth paper having 100 marks each.

Scanned with OKEN Scanner

Sri Dev Suman Uttarakhand Vishwavidyalaya

Badshahithaul,Tehri (Garhwal)

Syllabus for Postgraduate course in History

M. A. First Semester

Paper I

Historiography- Concepts and Traditions

UNIT-I: Historiography- Concept and Trends; Meaning of History, Definition, Nature and Scope; Types of History- Political, Social, Economic etc.

UNIT-II: History and its relationship with other disciplines- Archaeology, Geography, Sociology, Economics, Political Science, Physics, Chemistry etc.

UNIT-III: Tradition of Historical Writings- Greek, Roman, Ancient India, Medieval and Modern India

UNIT-IV: Historians- Banbhatt, Bilhan, Kalhan, Albaruni, Abul Fazal, Badauni

Suggested Readings

1. Carr, E.H, What is History
2. Thomson, David, The Aims of History
3. Mukherji, D.P, On Indian History
4. Thapar, Romila, The Past and the Prejudices
5. Pandey, G.C, Itihas Darshan
6. Khurana and Bansal, Itihas Lekhan, Avadharna tatha Paddhyatiya
7. Verma, L.B, Itihas Ke Baare Mein
8. Alton, G.R, The Practice of History

Scanned with OKEN Scanner

M. A. First Semester

Paper II

Sources of Indian History

UNIT-I: Ancient Indian History: Archaeological Sources- Inscriptions, Coins, Buildings etc. and Literary Sources- Sanskrit, Pali and Prakrit

UNIT-II: Medieval Sources- Sanskrit, Arabic, Persian and Urdu; Bhakti Literature

UNIT-III: Modern Sources- English and Vernacular Act

UNIT-IV: Modern Historians and their Writings- V. Smith, R.G. Bhandarkar, K.P. Jaiswal, R.C. Majumdar, D.D. Koshambi, Irfan Habib, Bipin Chandra, Romila Thapar

Suggested Readings

1. Toynbee Arnold, A Study of History
2. Verma, L.B, Itihas ke Baare Mein
3. Gandhi Leela, Post Colonial Theory
4. Mukherji, D.P, On Indian History
5. Thapar Romila, The Past and the Prejudices
6. Saxena, R.K, Sultanatekalin Itihas
7. Saxena, R.K, Madyakalin Itihas
8. Ali B Shaik, History: Its Theory and Methods
9. Carr, E.H, What is History

Scanned with OKEN Scanner

M. A. First Semester

Paper III

World History (1453 A.D. to 1789 A.D.)

UNIT-I: Factors of the Decline of Feudalism and Silent Features of Modern Europe
UNIT-II: Capitalism, Mercantilism; Renaissance and Reformation; Scientific Revolution
UNIT-III: Glorious Revolution (1688); American Revolution (1776)
UNIT-IV: French Revolution (1789)

Suggested Readings

1. Fisher,H.A.L, History of Europe
2. Langer, W.L, Diplomacy of Imperialism
3. Saboul, A, The French Revolution
4. Gupta, M.L, World History
5. Sharma, M.L, History of Europe
6. Khurana and Sharma, World History
7. Parth Sarthy, J., World History
8. Baghel, H.S, World History
9. Ketal Bey, Europe in Modern Time
10. Aggarwal, R.S, Adhunik Europe ka Itihas

Scanned with OKEN Scanner

M.A. First Semester

Paper IV

Political History of Ancient India (Harappan Period to 1206 A.D.)

UNIT-I: Development of Political Institutions upto Vedic Age

UNIT-II: Political Condition of North India in Sixth Century B.C.; Rise of Magadh Empire; Maurayan Dynasty- Chandra Gupta I and Asoka; Polity in Post Mauryan Period

UNIT-III: Gupta Age- Conquests and Administration; Harshwardhan- Achievements and Administration

UNIT-IV: Political Condition in Pre-medieval Age- Rajputs, Arabs, Ghaznavids and Gorids

Suggested Readings

1. Jha, D.N and Shrimali, K.N, Prachin Bharat Ka Itihas
2. Majumdar, R.C, History and Culture of the Indian People, Vol, II & III
3. Lunia, B.N, Bhartiya Sabhayta aur Sanskriti Ka Vikas
4. Sharma, L.P, Prachin Bharat
5. Bhargav, B.S, Prachin Bharat
6. Srivastava, K.C, Prachin Bharat Ka Itihas
7. Smith, V.A, Early History of India
8. Tripathi, R.S, History of Ancient India
9. Basham, A.L, The Wonder that was India
10. Ghosh, B.K, The Vedic Age

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Second Semester

Paper I

Political History of Great Britain (1815 A.D. to 1919 A.D.)

UNIT-I: Castleregh and Canning- Foreign Policy
UNIT-II: Splendid Isolation of England; Lord Palmerstone- Home and Foreign Policy
UNIT-III: Parliamentary Reforms in Britain- 1832, 1867 and 1911 Act
UNIT-IV: Robert Peel- Budgetary and Fiscal Reforms; New Torrism- Benjamin Disraili; Gladstone and Irish Problem

Suggested Readings

1. Verma, R.C, History of England (1815-1939)
2. Kumar, Shiv, Jain, Saroj, England ka Itihas(1815-1919)
3. Sharma, L.P, England ka Itihas
4. Mahajan, V.D, England ka Itihas
5. Parth Sarthy, G, World History
6. Hezen, C.D, Modern Europe

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Second Semester

Paper II
Political and Cultural History of Uttarakhand

UNIT-I: Sources of History of Uttarakhand
UNIT-II: Uttarakhand under Kunidas, Paurava, Katyuris, Chand and Gorkhas
UNIT-III: Society of Uttarakhand; Fairs and Pilgrims of Uttarakhand; Social Movements of Uttarakhand- Dola Palki, Gadi Sadak, Colie Begar, Char-Dham and Teerth Yatra Parampara
UNIT-IV: Art and Architecture of Uttarakhand; Folk Culture of Uttarakhand

Suggested Readings

1. Naithani, S.P, Uttarakhand ke Teerth avam Mandir
2. Chatak Govind, Madya Himalaya ki Sanskriti
3. Dabral, S.P, Uttarakhand ka Itihas, Vol. 1-17
4. Uniyal, D, Badrikedar ki Aur Haridwar
5. Raturi, H.K, Garhwal ka Itihas
6. Pandey, B.D, Kumaun ka Itihas
7. Nautiyal, S.N, Garhwal ke Lok Nirtya
8. Baludi, R.P, Uttarakhand ka Samgra Gyankosh
9. Tolia, R.S, British Kumaun-Garhwal, Vol. I & II
10. Negi, S.S, Madhya Himalaya ka Rajnitik evam Sanskritik Itihas
11. Katauch, Y.S, Uttarakand ka Naveen Itihas

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Second Semester

Paper III

World History (1789 A.D. to 1945 A.D.)

UNIT-I: Condition of Europe in 1789; French Revolution of 1789- Causes and Impact; National Assembly, National Convention and Directory in France; Rise of Napoleon Bonaparte; Vienna Congress, Concert of Europe

UNIT-II: Opium Wars; Meiji Restoration; Unifications of Germany and Italy

UNIT-III: Eastern Question- Crimian War, Berlin Congress, Young Turk Movement (1908) and Balkans Wars (1912-13)

UNIT-IV: First World War; Second World War

Suggested Readings

1. Mathur and Jain, World History (1500-1950)
2. Langer, W.L, Diplomacy of Imperialism
3. Saboul, A, The French Revolution
4. Gupta, M.L, World History
5. Sharma, M.L, History of Europe
6. Khurana and Sharma, World History
7. Parth Sarthy, J., World History
8. Palmer, A History of Modern Europe

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Second Semester

Paper IV

Political History of Medieval India (1206 A.D. to 1707 A.D.)

UNIT-I: Political Condition of India during Turks' Invasion; Establishment of Delhi Sultanate- Mamluks and their Contribution; Khalji and Tughlaq Dynasty- Administration and Reforms; The Mongol Problem and North-West Frontier

UNIT-II: Rise and Growth of Bahamani and Vijaynagar Empire

UNIT-III: Advent of Mughals- Babar and Humayun; Shershah Suri- Administration; Akbar and his Policies; Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb

UNIT-IV: Rise of Maratha Power and Shivaji

Suggested Readings

1. Pandey, A.B, Purv Madyakalin Bharat
2. Verma, H.C, Madyakalin Bharat, Vol. I
3. Srivastava, A.L, Bharat ka Itihas
4. Mahajan, V.D, Medieval India
5. Sharma, L.P, Madyakalin Bharat
6. Ishwari Prasad, Medieval India
7. Khurana, K.L, Medieval India
8. Sharma, S.R, Muslim Rule in India
9. Kulshrestha, K.K, Mughal Rule in India (1526-1707)
10. Puri, Das, Chopra, Bharat ka Sanskritik evam Arthik Itihas Vol. II
11. Rai, Majumdar, Chaudhary, Bharat ka Itihas, Vol. I

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Third Semester

Paper I

Social, Economic and Cultural History of India

(Harappan Period to 1206 A.D.)

UNIT-I: Sources of Indian Economy and Culture; Structure of Society in Harappan and Vedic Period; Varna System, Ashram Vyavastha, Purusarth and Sanskara

UNIT-II: Ancient Education System; Slavery System; Marriage and Family System, Condition of women

UNIT-III: Culture, Society and Economy during Mauryan and Post-Mauryan Period; Literature, Religion, Art and Architecture

UNIT-IV: Culture, Society and Economy during Gupta Period and Post- Gupta Period; Literature, Religion, Art and Architecture, Science and Technology

Suggested Readings

1. Jha, D.N and Shrimali, K.N, Prachin Bharat Ka Itihas
2. Majumdar, R.C, History and Culture of the Indian People, Vol, II & III
3. Lunia, B.N, Bhartiya Sabhayta aur Sanskriti Ka Vikas
4. Sharma, L.P, Prachin Bharat
5. Bhargav, B.S, Prachin Bharat
6. Pandey, V.C, Political and Cultural History of India
7. Majumdar, R.C, Advance History of India
8. Puri, Rai, Chopra, Bharat ka Arthik evam Sanskritik Itihas, Vol. I
9. Srivastava, K.C, Prachin Bharat ka Itihas

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Third Semester

Paper II
Social, Economic and Cultural History of India
(1206 A.D.- 1707 A.D.)

UNIT-I: Society and Urbanization during Sultanate and Mughal Era; Economy and Land System in Medieval Period

UNIT-II: Bhakti Movement: Nath Panthi, Kabir, Nanak, Dadu, Chaitanya, Tulsidas, Namdev and Meerabai; Sufism: Its origin, Concept and Practices and its Impact on society

UNIT-III: Art and Architecture, Mughal Paintings, Rajput Paintings

UNIT-IV: Development of Literature; Persian, Hindi, Urdu, Marathi, Bengali and Sanskrit; Currency in Medieval Period

Suggested Readings

1. Pandey, A.B, Purv Madyakalin Bharat
2. Verma, H.C, Madyakalin Bharat, Vol. I
3. Srivastava, A.L, Bharat ka Itihas
4. Mahajan, V.D, Medieval India
5. Sharma, L.P, Madyakalin Bharat
6. Ishwari Prasad, Medieval India
7. Khurana, K.L, Medieval India
8. Sharma, S.R, Muslim Rule in India
9. Puri, Das, Chopra, Bharat ka Arthik evam Sanskritik Itihas
10. Rai, Majumdar, Chaudhary, Bharat ka Itihas

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Third Semester

Paper III

World History (1945 A.D. to 2000 A.D.)

UNIT-I: Formation of UNO- Aims and Contribution

UNIT-II: Decolonization: Asia, Middle-East and Africa; Communist Revolution in China

UNIT-III: Cold War- Its ideologies and Impact, Disarmament; Disintegration of U.S.S.R. and abolition of Cold War

UNIT-IV: International Associations: Non-Aligned Movement, SAARC, OPEC, G-7, G-15, G-77 and European Union; India's Foreign Policy with its neighbors: China, Pakistan, Sri Lanka and Nepal

Suggested Readings

1. Carr, E.H, International Relations since 1919
2. Moon, P.T, Imperialism and World Politics since 1945
3. Palmer and Perkins, International Relations
4. Jain and Mathur, Vishwa ka Itihas
5. Hughes, H.S, Contemporary Europe
6. Chandran, S, India's Foreign Policy: Old Problems, New Challenges
7. Ganguly, Sumit, Indian Foreign Policy

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Third Semester
Paper IV (a)
Ecology and Environment in History

UNIT-I: Ecology- Definition and Scope, Environment- Science or Art and its relation to other subjects

UNIT-II: Environmental Consciousness in Ancient India, Medieval India and Modern India

UNIT-III: Environmental Movements in Modern India

UNIT-IV: National Green Tribunal

Suggested Readings

1. Bharucha, I, Environmental Studies
2. Aggarwal, A, Environmentality
3. Guha, Sumit, Environment and Ethnicity in India
4. Gadgil, Madhav, and Guha, Ramachandra, The Fissured Land
5. William, P, Environmental Science

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Third Semester
Paper IV (b)
Tourism in India

UNIT-I: Tourism- Concept and Definition; Its Importance- Historical, Religious, Cultural and Trade

UNIT-II: Indian Culture: Features, Traditions and Customs

UNIT-III: Fairs as a source of Tourism- Kumbh, Nanda Raj-jaat Yatra

UNIT-IV: Temples and Religious Places of Uttarakhand- Badrinath, Kedarnath, Yamnotri, Gangotri, Kailash Mansarovar, Hemkund Sahib, Jageswar Dham, Piran Kaliyar, Hanol (Mahasu Devta)

Suggested Readings

1. Naithani, S.P, Uttarakhand ke Teerth avam Mandir
2. Chatak Govind, Madya Himalaya ki Sanskriti
3. Dabral, S.P, Uttarakhand ka Itihas, Vol. 1-17
4. Gupta, V.K, Tourism in India
5. Puri, Manohar, Travel and Tourism
6. Uniyal, D, Badrikedar ki Aur Haridwar
7. Bhatia, A.K, Tourism Development: Principles and Practices
8. Seth, P.N, Successful Tourism Management

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Third Semester

Paper IV (c)
Women in Indian History

UNIT-I: Women's Studies and its objectives

UNIT-II: Condition of Women in Ancient and Medieval Period; Contribution of Women in Freedom Struggle

UNIT-III: Women's Organizations and Feminists Movements in Post-independence Period

UNIT-IV: Women's Contribution in Literature and Society; Legal and Constitutional rights of Women in India

Suggested Readings

1. Gandhi, M.K, Women and Social Justice
2. Srinivas, M.A, The Changing Position of Women
3. Mehta, Rama, Socio-Legal Status of Women in India
4. Tara Ali, Aog, India's Women Power
5. Kumar, Radha, The Women's Movements in India
6. Nanda, B.R, Indian Women from Parda to Modernity

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Fourth Semester

Paper I
Research Methodology

UNIT-I: Research: Meaning and Objectives; Scope, History: Science or Art

UNIT-II: Significance of Research and Approaches; Types of Research and Data Analysis

UNIT-III: Objectivity in Research

UNIT-IV: Process of making synopsis, notes and appendix; New Technology: Its role in research

Suggested Readings

1. Carr, E.H. What is History
2. Thomson, David, The Aims of History
3. Thapar, Romila, The Past and the Prejudices
4. Pandey, G.C, Itihas Darshan
5. Rubin, A, Methodology for Social Work Research
6. Kothari, C.R, Research Methodology
7. Kumar Ranjit, Research Methodology
8. Ahuja, R, Research Methodology
9. Koul, Lokesh, Methodology of Educational Research

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Fourth Semester

Paper II
Political History of Modern India (1707 A.D. - 1857 A.D.)

UNIT-I: Decline and Disintegration of Mughal Empire

UNIT-II: Expansion and Consolidation of British Power: Anglo-French Rivalry, Battle of Plassey and Buxer, Mysore, Awadh, Marathas and Punjab

UNIT-III: Administrative Structure under British Power; British Paramountcy and Indian States- Subsidiary Alliance, Doctrine of Lapse

UNIT-IV: Resistance to Colonial Rule: Peasant, Tribal and Revolt of 1857

Suggested Readings

1. Grover, B.L, Yashpal, Adhunik Bharat ka Itihas
2. Verma, H.C, Madyakalin Bharat, Vol. I
3. Srivastava, A.L, Bharat ka Itihas
4. Mahajan, V.D, Medieval India
5. Sharma, L.P, Madyakalin Bharat
6. Majumdar, R.C, History of Freedom Movement of India
7. Khurana, K.L, Medieval India
8. Bipin Chandra, Adhunik Bharat ka Itihas
9. Sumit Sarkar, Freedom Struggle of India
10. Majumdar R.C,(Ed) British Paramountcy and Indian Renaissance, Part II (The History and Culture of the Indian People, Volume 10)

Scanned with OKEN Scanner

M.A. Fourth Semester

Paper III
National Movement and Constitutional Development of India
(1858.- 1950 A.D.)

UNIT-I: Emergence of Nationalism in India; Role and Approaches of Indian National Congress and other Institutions in National Movement

UNIT-II: Gandhian Era: Nature and Movements; Home Rule Movement, Khilafat Movement, Swaraj Party, Simmon Commission, Lahore Congress, Round Table Conferences, Communal Award, Poona Pact

UNIT-III: Constitutional Development- 1858, 1861, 1892, 1909, 1919 and 1935 Act

UNIT-IV: Communalism and Partition of India; Indian Independence Act (1947); Constituent Assembly: Constitution of India (1950); Its Salient Features

Suggested Readings

1. Grover, B.L, Yashpal, Adhunik Bharat ka Itihas
2. Verma, H.C, Madyakalin Bharat, Vol. I
3. Srivastava, A.L, Bharat ka Itihas
4. Mahajan, V.D, Medieval India
5. Sharma, L.P, Madyakalin Bharat
6. Majumdar, R.C, History of Freedom Movement of India
7. Khurana, K.L, Medieval India
8. Bipin Chandra, Adhunik Bharat ka Itihas
9. Sumit Sarkar, Freedom Struggle of India
10. Aggarwal, R.S, National Movement and Constitutional Development of India
11. Singh, Ayodhya, Bharat ka Mukti Sangram
12. IGNOU Course Material, EH 1.1 and EH 1.5
13. Desai, A.R, Social Background of Indian Nationalism

Scanned with OKEN Scanner

Syllabus for M.A. (Sociology) in the Semester System

Semester-I

Paper-I

Introduction to Sociology

Course Code: SOC/C001

Maximum Marks: 80

Unit—I

Nature of Sociology: Definition, Sociological Perspectives: Basic Concepts Society, Community, Culture, Norms and Values.

Unit—II

Social Structure and Social Groups: Structure, Status and Role: Their Interrelation, Multiple Roles, Role Set: Status Set) Role Conflict.

Social Groups: Meaning and Types: Primary, Secondary, in-group and Out-group, Reference Group.

Unit—III

Social Institutions: Family, Education, Economy, Polity and Religion.

Unit—IV

Social Processes: Socialization: Concept, Agencies and Theories, Social Stratification.

Social Change: Meaning, Types and Forms.

Readings:

Berger, Peter (1963), Invitation to Sociology: A Humanistic Perspective, New York, Doubleday.

Bottomore, T.B. (1972), Sociology – A Guide to problems and Literature, Bombay: George Allen and Unwin.

Davis, Kingsley (1981), Human Society, New Delhi: Surjeet Publications.

Giddens, Anthony (1989), Sociology, Oxford University: Polity Press.

Harlambos, M. (1998), Sociology – Themes and Perspectives, New Delhi: Oxford University Press.

Inkeles, Alex (1987), What is Sociology? New Delhi: Prentice Hall.

Jayaram, N. (1988), Introductory Sociology, Madras: McMillan India.

Johnson Harry M. (1995), Sociology – A Systematic Introduction, New Delhi: Allied Publishers.

Maclver, R.M. and H. Page (1974), Society – An Introductory Analysis, New Delhi : McMillan.

Smelser, N.J. (1993), Sociology, New Delhi, Prentice Hall of India.

Scanned with OKEN Scanner

Paper-II

Traditional Sociological Thinkers
Course Code: SOC/C002

Maximum Marks: 80

Unit – I

Auguste Comte – Positivism, Law of Three Stages, Contribution to the Subject matter of Sociology: Social Static and Social Dynamics.

Unit – II

Emile Durkheim: Division of Labour in the Capitalist Society, Mechanical and Organic Solidarities, Theory of Religion: Sacred and Profane. Contribution to the Methodology of Sociology: Concept of Social Fact.

Unit – III

Karl Marx: Marx's Theory of Social Change: Dialectical Materialism as a Perspective of Explaining Transformation of Human Society through Different Stages, Class and Class Conflict, Alienation and its Social Implications.

Unit – IV

Max Weber: Theory of Social Action and its types. Analysis of Modern Capitalism; Protestant Ethics and Spirit of Capitalism. Power, Status and Authority: Authority and its types. Theory of Bureaucracy.

Readings:

Adams Bert N. and Sydie, R.A. (2001), Sociological Theory, New Delhi: Vaster Publication.

Aron Raymond (1967), Main Currents in Sociological Thought, Vol. 1 and 2, Penguin, Chapters on Marx, Durkheim and Weber.

Bendix, Rinehart (1960), Max Weber, an Intellectual Portrait (For Weber) Double Day.

Coser, L.A. (1977), Master of Sociological Thought, New York: Harcourt Brace, pp. 43-87, 129-174, 217-260.

Dehrendorf, Ralph (1959), Class and Class Conflict in an Industrial Society, Stanford University Press.

Giddens, Anthony (1977), Capitalism and Modern Social Theory- An analysis of Writing of Marx, Durkheim and Weber, Cambrige University Press, Whole Book.

Hughes, Jhon, A. Martin, Perer, J. and Sharrok, W.W. (1995) Understanding Classical Sociology- Marx, Durkheim and Weber, London: Sage Publication.

Nisbet, Robert (1996), The Sociology Tradition, London: Heinemann Education Books Ltd.

Parsons Talcott (1949), The Structure of Social Action, New York, McGraw Hill.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-III
Research Methodology
Course Code: SOC/C003

Maximum Marks: 80

Unit–I

Social Research; Meaning, Nature and Objectives of Research; Type of Social Research; Significance of Research,
Research and Scientific Method, Research Process, Criteria of Good Research.

Unit–II

What is research Problem? Selecting the Problem, Necessity and defining the Problem, Techniques involved in defining the Problem.

Unit–III

Hypothesis: Meaning, Characteristics, and importance of hypothesis in Research, Types and testing of Hypothesis, Problems in Formulating Hypothesis.

Unit–IV

Research Design: Meaning of Research Design, Features of a Good Research Design
Types of Research Design: Exploratory, Descriptive, Diagnostic and Experimental.

Readings:

Ahuja, Ram (2001), Reserch Methods, Delhi: Rawat Publications.

Bailey, Kenneth D. (1982), Method of Social Research, New York: The Free Press, Second Edition.

Blalock, Hubert M. (1970), Social Statistics. New York: Tata Mc-Graw-Hill.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-IV
Political Sociology
Course Code: SOC/C003

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Nature and Scope of Political Sociology.

Approaches to Political Sociology: Behavioral, System Analysis and Input-Output approach.

UNIT-II

Power and Authority: Functional Perspective, Marxian Perspective and Community Power Structure.

Elite theory: Concept and Ideology, Power Elite and Circulation of Elites.

UNIT-III

Conditions of democratic order: Economic Development and Democracy Social Class and Democracy.

Caste and Democratic Polity: Conflict and Democracy in India,

Scanned by CamSca

Scanned with OKEN Scanner

UNIT-IV

Political Parties, Leadership and Faction and Interest group- their role in Democratic Structure.

Political Recruitment, Political Socialization and Voting Behaviour

Readings:

Almond and Coleman (1960), The Politics of Developing Areas, Princeton University Press.

Almond and Piwell (1972), Comparative Policits : A Development Approach, New Delhi.

Aron, Raymond (1967), Industrial Sociology: Three Essays on Ideology and Development, New York.

Blondel, Jean (1969), Comparative Government, Macmillan.

Bottomore, T.B. (1971), Elites and Society, Penguin, Harmond Swarth.

Ball, Alam R. (1978), Modern Politics and Government, Macmillan.

Dowse, R.E. and Hughes (J.A.) (1972), Political Sociology, London: John Wiley.

Easton, David (1965), A Framework for Political Analysis, Englewood Cliffs. Prentic-Hall.

Lipset, S.M. (1959), Political Man, London.

Pizzorno, A. (1970), Political Sociology, Penguin Books.

Rush, M. (1966), Political Sociology, New York.

Nagla, B.K. (1991), Political Sociology, Jaipur, Rawat Publication.

Nagla, B.K. (1984), Factionalism, Politics and Social Structure, Jaipur, Rawat Publication.

Scanned with OKEN Scanner

Semester-II

Paper-I
Indian Sociological Thought
SOC/C005

Maximum Marks: 80

Unit – I

Theoretical Issues: Indigenous Social Thought: Sociology in India; Indian Sociology.

Unit – II

Indological / Textual: G.S. Ghurye; Louis Dumont.

& Civilizational: N.K. Bose; Surajeet Sinha

Unit – III

Structural-Functional: M.N. Srinivas; S.C. Dube

Synthesis of Textual and Field views. Irawati Karve; Andre Beteille.

Unit – IV

Marxian: D.P. Mukherji; A.R. Desai

Subaltern: Ranjit Guha; David Hardiman

Readings:

Desai, A.R. (1981), "Relevance of the Marxist Approach to the Study of Indian Society", Sociological Bulletin, 10(1). pp. 1-20

Dhanagare, D.N. (1998), Themes and Perpectives in Indian Sociology, New Delhi, Rawat Publications.

Dumont, Louis (1970), Homo-Hierarchicus: Caste System and its Implications, Chicago.

Ghurye, G.S. (1957), Caste and Class in India, Bombay: Popular Book Depot.

Mukherjee, D.P. (1958), Diversities, Delhi: People's Publishing House.

Singh, Y. (1973), Modernization of Indian Traditions, Delhi: Thomson Press.

Srinivas, M.N. (1960), India's Villages. Bombay: Asia Publishing House.

Bose, N.K. (1977), Culture and Society in India, Bombay: Popular Prakashan.

David, Hardiman (1996), Feeding the Bania: Peasants and Usurers in Western India Oxford University Press.

David, Hardiman (1987), The Coming of Devi: Adivasi Assertion in Western India: Oxford University Press.

Dube, S.C. (1967), The Indian Village, New Delhi: NBT.

Sinha, S. (1974), 'Sociology of Religion: A trend report' in ICSSR'. A Survey of Research in Sociology and Social Anthropology. 11, Bombay: Popular Prakashan.

Jodhka, S.S. (1997), 'From Book view to Field view: Social Anthropological Constructions of the Indian Village'. Oxford Development Studies, 26(3)

Nagla, B.K. (2008), Indian Sociological Thought, Jaipur, Rawat Publications.

Unithan, T.K.N. (1965), (Ed.), Sociology of India, New Delhi, Prentic-Hall of India

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-II

Contemporary Indian Society- Tradition and Change
SOC/C006

Maximum Marks: 80

Unit-I

Change in the Indian Society during the British Rule in India.

Urbanism and Urbanization in India

Unit-II

Tradition and Modernization.

Role of Elites in the Modernization of Indian Society.

Unit –III

Globalization and Liberalization: Concept and Social Implications.

Processes of Social Mobility among Castes Sanskritization and Westernization.

Unit-IV

Social Mobility among Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

Islamization and Modernization in Indian Muslim Society.

Readings:

Aziz, Abdul, (1994), Poverty Alleviation in India: Policies and Programmes, New Delhi: Ashish Publishing.

Desai, Neera and Maithreyi Krishna Raj. (1987), Women and Society in India, New Delhi: Ajanta Publishers.

Desai, Neera & Usha Thakkar (2007), Women in India Society, New Delhi: National Book Trust.

Dube, S.C. (1967), The Indian Village, New Delhi: National Book Trust.

Ghurye, G.S. (1957), Caste and Class in India, Bombay: Popular Book Depot.

Karve, Irawati (1961), Hindu Society: An Interpretation, Poona: Deccan College.

Prabhu, P.H. (1979): Hindu Society: An Interpretation, Poona: Deccan College.

Sharma, K.L. (2001), Social Inequality in India, New Delhi: Rawat Publications.

Srinivas, M.N. (1960), India's Villages. Bombay: Asia Publishing House.

Srinivas, M.N. (1970), Social Change in Modern India, Berkeley, California: University Press.

Srinivas, M.N. (1991), India: Social Structure, Delhi: Chaman Offset Printers.

Mandelbum, D.G. (1990), Society in India, Berkeley: University of California Press, Vol. I Parts 24 & 4.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-III

Social Psychology
SOC/C007

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Social Psychology: Meaning, Nature and Scope, Its Relationship with Sociology.

Individual and Society, Psychological basis of Social and Cultural Growth.

UNIT-II

Attitudes: Formation and change, Measurement of Attitudes: Use of different scales

Learning: Concepts and Theories, Motivation: Biogenic and Sociogenic motives

UNIT-III

Public opinion, Propaganda

Prejudice, Stereotype and Rumour

UNIT-IV

Leadership: Nature, Types and Theories

Group Mind: Audience, Crowed and Crowed Behaviour.

Readings:

B.N. Maltzer, W. John & Others (1945), Symbolic Interactionism, Routledge and Kenan Paul Ltd. New Jersey, 1945.

Krech D. and Crutchifield R.S. (1975), Theory and Problems of Social Psychology, Mcgraw Hill, New York.

Kimball Young (1963), A Hand Book of Social Psychology (Routiedge and Kegan Payl Ltd. London, Revised Edition.

Kari Mannheim (1966), Essays on Sociology and Social Psychology, Routledge and Kegan Paul Ltd., London, 3rd Edition.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-IV

Social Demography
SOC/C008

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Introduction to Social Demography: Definition, Scope, Sources of Demographic Data: Census, Vital Statistics – Historical Background–Demographic Perspectives: The Malthusian Perspective, Marxist Perspective, Neo-Marxist Perspective, Optimum Population Theory, Demographic Transition Theory.

UNIT - II

Fertility Concepts and Measurements: Concept, Measuring Fertility: Crude Birth Rate, General Fertility Rate, Age-Specific Fertility Rate, Total Fertility rate, Cross Reproduction Rate, Net Reproduction Rate, Theories of Fertility-Determinants of Fertility.

Mortality Concepts and Measurements: Components of Mortality-Measuring Mortality: Crude Death Rate, Age-Specific Death Rate, Determinants of Mortality.

UNIT -III

Migration: Definition-Measuring Migration-Types of Migration: Internal Migration & International migration- Factors for Migration- Theories and Consequences of Migration.

UNIT -IV

Population Growth and Socio – Economic Development in India. Population Policy – Mortality Influencing Policies, Migration Influencing Policies, Fertility Influencing Policies, Pronatal and Antinatalist Policies. India's Population Policy.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Semester-III
Paper-I
Classical Sociological Thinkers
SOC/C010

Maximum Marks: 80

Unit – I

Herbert Spencer: The Evolutionary Doctrine; Organic Analogy.

Unit – II

V. Pareto: Logical and Non-logical Action, Residues and Derivatives, Circulation of Elites.

Unit – III

P.A. Sorokin: Social Mobility, Social-Cultural Dynamics, Revolution.

Unit – IV

Talcott Parsons: Action Frame of Reference, AGIL Paradigm, Pattern Variables.

R.K. Merton: Function and Dysfunction, Bureaucracy.

Readings:

Barnes, Harry Elmer "AN INTRODUCTION TO THE HISTORY OF SOCIOLOGY", Chicago, University of Chicago Press, 1948.

Coser, Lewis A. "Masters of Sociological Thought", New York, Harcourt Brace Jovanovich, Inc., 1971.

Timasheff, Nicholas S. "Sociological Theory – Its Nature & Growth", New York, Random House, 1967.

Nishet, Robert A. "The Sociological Tradition", London, Heinemann, 1979.

Bogardus, Emory S. "The Development of Social Thought", Bombay, Vakils, Borrer and Simons Pvt. Ltd., 1960.

Aron, Raymond "Main Currents in Sociological Thought" Vol. 1 & 2, Hammondsworth, Middleses, Penguin Books, 1965.

Abel, Theodore "The Foundation of Sociological Theory" Indian ed., Jaipur, Rawat Publications, 1980.

Abraham, Francis M. "Modern Sociological Theory: An Introduction", Delhi, Oxford University Press, 1982.

Sorokin Pitrim "Contemporary Sociological Theories". Indian Ed. New Delhi, Kalyani Publishers, 1978.

Morrison , Ken. 1995. *Marx, Weber and Durkheim*, London : Sage Publications.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Merton, R.K. (1968), Social Theory & Social Structure, Glencoe, IIIrd Free Press.

Paper-II
Research Techniques & Statistical Analysis
SOC/C011

Maximum Marks: 80

Unit-I

Sampling Design; Census and Sampling Method, Area of Study, Universe of Study, Sample Design, Steps in Sampling Design, Criteria for Selecting a Sampling Procedure; Characteristics of a Good Sample Design, Types of Sampling Method.

Unit–II

Techniques of Data Collection; Collection of Primary Data; Questionnaire, Schedule, Interview, Observation, Case Study, Survey Method, Content Analysis, Collection of Secondary Data, Historical and Document/oral Sources, Journal and Books.

Unit–III

Analysis and Interpretation of Data, Scrutiny of Secondary Data, Checking of Questionnaire and Schedule, Editing of data, Codification Transcribing, Classification, Tabulation, Comparison and Interpretations. Graphic Presentation of Data – Chart, Histograms, and Graphs.

Unit –IV

Use of Statistics in the Analysis of Data: Mean, Median, Mode, S.D. Correlation.

Readings:

Ahuja, Ram (2001), Research Methods, Delhi: Rawat Publications.

Bailey, Kenneth D. (1982), Method of Social Research, New York: The Free Press, Second Edition.

Blalock, Hubert M. (1979), Social Statistics. New York: Tata Mc-Graw-Hill.

Champion, Dean. J. (1981), Basic Statistics for Social Research New York: Macmillan Publishing.

Goode, W.J. and Hatt, P.K. (1952), Methods in Social Research, New York: McGraw International Students Edition.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Gupta, S.P. (2002), Statistical Methods, New Delhi: Sultan Chand and Sons Publication.

Kumar Ranjit (2006), Research Methodology: A Step-by-step Guide for beginners, Australia, Pearson Education.
Moser, S.C. and G. Kalton (1971), Survey Methods in Social Investigation, London: Heinmann.
Nachmias David & Nachmias Chava (1981), Research Methods in Social Sciences, New York, St. Martin's Press.
Seltiz, Claire et al (1959), Research Methods in Social Relation, New York: Henry Holt and Co.
Thakur, Devender (2003), Research Methodology in Social Science, New Delhi: Deep and Deep Publications Pvt. Ltd.
Young, P.V. (1988), Scientific Social Surveys and Research, New Delhi Prentic Hall.

Paper-III (Group A)
Social Anthropology
SOC/C012A

Maximum Marks: 80

Unit – I

Introduction to Social Anthropology: Definition, Nature and Scope of Social Anthropology, Social Anthropology and its Relationship with Sociology, History, Economics and Psychology.

Unit – II

Theoretical Orientation: Functionalism (Ridcliffe-Brown & B. Malinowski), Structuralism (Claude Levi-Strauss), Field Work Approach in Social Anthropology.

Unit – III

Concepts and Social Institution: Culture, Clan, Caste and Race, Family, Kinship, Marriage and Religious Institutions.

Unit – IV

Tribes in India: Definition, Characteristics and Geographical Distribution.

Problems of Tribal People, Tribal Movements in India, Social and Cultural Change among Tribal Society in India.

Readings

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Beattie, John (1964), Other Cultures: Aims, Methods and Achievements in Anthropology, London: R.K.P.

Beteille (1974), Six Essays in Comparative Sociology, New Delhi: OUP.

Fox, Robn (1973), Encounter with Anthropology, England: Penguin Books Ltd.

Godelier, Maurice (1973), Perspectives in Marxist Anthropology, London: Cambridge University Press.

Harris, Marvin (1972), The Rise of Anthropology, London: Routledge and Kegan Paul.

Keesing, Roger, M. (1976), Cultural Anthropology: A Contemporary Perspective, America : Holt Remmhart and Winston.

Kuper, Adam (1977), Social Anthropology of Redcliff Brown, London : Routledge and Kegan Paul.

Madan, T.N. and D.N. Majumdar (1980), An Introduction to Social Anthropology, Delhi : Asia Publishing House.

Mandelbaum, D.G. (1974), Society in India, Bombay Popular Prakashan.

Manners and Kaplan (1968), Theories in Anthropology, Chicago Aldine Publishing Co.

Pritchard, Evans (1972), Social Anthropology, London: Routledge and Kegan Paul.

Radcliffe-Brown, A.R. (1957), Structure Function in Primitive Society, R.K.P. London.

Singh K.S. (1983), Tribal Movements in India, Vol. 1&2, Delhi: Manohar Publications.

Scanned with OKEN Scanner

Paper IV (Group A)
Industrial Sociology
SOC/C012B

Maximum Marks: 80

Unit – I

Nature, Scope and Development of Industrial Sociology, Causes and Consequences of Industrialization.

Unit - II

Formal and Informal Industrial Organizations – The Structure and Features of Formal Organization – Pre-requisites of Industrial Organization.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Industrial Management -The Managerial Structure, Line and Staff Organizations, Functions of Line and Staff – Supervisors – White collar Workers-Blue Collar Workers and Specialists.

Unit – III

Meaning, Forms and Causes of Industrial Disputes (with reference to India) Grievance Procedure – Settlement of Industrial disputes – Machinery (with reference to India) – Conciliation machinery – Arbitration Machinery.

Unit - IV

Scope and Evolution of Labour welfare, Labour welfare in India, Government and Trade Unions.

Readings:

Gisbert Pascal, Fundamentals of Industrial Sociology, Tata Mc. Graw Hill Publishing Co. New Delhi, 1972.

Schneider Engeno ,V. Industrial Sociology 2nd Edition, Mc. Graw Hill Publishing Co. New Delhi, 1979.

Mamoria, C.B. and Mamoria, S. Dynamics of Industrial Relations In India.

Sinha, G.P. and P.R.N. Sinha, Industrial Relations and Labour Legislations, New Delhi, Oxford and IBH Publishing Co. 1977.

Tyagi, B.P. Labour Economics and Social Welfare, Jai Prakashnath and Co. Meerut, 1980.

Methrotra, S.N. Labour Problems In India, 3rd Revised Edition, S. Chand and Co. New Delhi, 1981. RM 72.

Scanned with OKEN Scanner

Paper III (Group B)
Indian Social Problems
SOC/C013A

Maximum Marks: 80

Unit – I

Conceptual Issues: Meaning, Nature, Characteristics and Types of Social Problems, Anomie and Alienation.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Unit – II

Theories of Social Problems: Social Disorganization Approach, Value Conflict Approach, Cultural Lag Approach and Labeling Theory.

Unit – III

Social Tensions: Casteism, Communalism, Regionalism, Terrorism and Corruption.

Unit – IV

Social Problems and Legislations: Poverty, Dowry, Divorce, Unemployment and Honour Killing.

Environmental Pollution, Consumer Protection Act. Problems of Elderly.

Readings:

Ahuja Ram. Social problems in India Rawat Publication, New Delhi. 1999

Elliot, Mabel A and Merrill, Francis E. Social Disorganization, Harper and Brothers, New York. 1950.

Gurr, Ted Robert, Why Men Rebel, Princeton: Princeton University Press, 1970.

Madan G.R. Indian Social problems Allied Publisher, New Delhi. 1976.

Pachauri, J.P. (1999) (ed.), Drug Abuse and Alcoholism in India, Bareilly, MTC Printers.

Robert K. Merton and Robert Nisbet, (ed.) Contemporary social problems, Harcourt Brace, New Youk, 1971.

Scanned with OKEN Scanner

Paper IV (Group B)
Sociology of Environment
SOC/C013B

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Sociology of Environment: The Rise, Decline and Resurgence of Sociology of Environment.Interrelation among Ecology, Environment and Society.

UNIT-II

Emerging Theoretical Perspectives in Sociology of Environment: Contribution of Dunlop and Cotton, Partick Giddens, Ramchandra Guha and Radha Kamal Mukherjee.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

UNIT-III

Sustainable Development and Environmental Conservation.

Environment and Health—Environmental Deterioration and Hsealth Problems, Environmental Degradation and Diseases.

UNIT-IV

Environment Impact Analysis, its Need, Scope and Methodology.

Role of Traditional Knowledge and Religious Beliefs to Environmental Protection Social Movements regarding Environment & Ecology, Role of NGOs in Environment Protection.

Readings:

Agarwal, Anil (1989), "Economy and Environment in India", in Anil Agarwal (ed.) The Price of Forest. New Delhi: Centre for Science and Environment.

Bhatt, Anil (1989), Development and Social Justice: Micro Action by Weaker Section, Sage: New Delhi

Carolyn Merchant (Ed.), Ecology, Key Concepts in critical theory, Rawat Publication, New Delhi, 1996.

Chauhan, I.S. (1998), Environmental Degradation, Delhi: Rawat Publications.

Dubey, S.M.. and Murdia, Ratno (ed.) (1980), Land Alienation and Restoration in Tribal Communities in India, Bombay: Himalaya Publishing House.

Gadgil, Madhav & Ram Chandra Guha (1996), Ecology and Equity : The use and Abuse of Nature the Himalaya. OUP : Delhi.

Guha, Ram Chandra (1995), The Unquiet Wooks: Ecological Change and Peasant Resistance in the Himalaya. OUP: Delhi.

John A. Hannigan, Environmental Sociology, Routedge, London, 1995.

Mushi, Indra (2000), Environment in Sociological Theory, Sociological Bulletin, Vol. 49, No. 2.

Schnaiberg, Allan (1980), The Environment, New York: OUP.

Singh, Gian (1991), Environmental Deterioration in India: Causes and Control, New Delhi: Agricoles.

Wilson, Des (ed.) (1984), The Environmental Crisis, London: Heinemann.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Semester-IV

Paper-I
Modern Sociological Theory
SOC/C014

Maximum Marks: 80

Unit – I

Levels of Theorization in Sociology: its Origin and Contemporary Status: Merton's Scheme of Theorization: Conflict Approach : Daherendorf's Class and Class Conflict and Coser's Functions of Social Conflict.

Unit - II

Phenomenological and Ethno methodological Theory: Alfred Shutz's Concept of Life World : Peter Bergen and Lunkmann's Social Construction of Reality : Garfinkel's Ethno Methodology and Goffman' Dramaturgical Approach.

Unit – III

Neo-Functional and Neo-Marxist Theory: J. Alexander's Neo-Functional Approach : Habermas's Legitimation Theory : Louis Althusser's idea of Marxist Structuralism and Gramsci's Notion of Hegemony.

Unit - IV

Structural and Post Modernist Theory: Gidden's Structuration Theory, Derrida's Deconstructionist Approach and Foucault's Post Modernist Theory.

Readings:

Abraham (2001), M. Francis: Modern Sociology Theory : An Introduction, Kolkatta, Oxford University Press.

Aron, Raymond (1965), Main Currents in Sociological Thoughts, Vol.-I & II, New York; Basis Books.

Bootomore, Tom & Nisbet, Robert (2004), A History of Sociological Analysia, Jaipur, Rawat Publications.

Cohen. Percy S. (1968), Modern Social Theory, New York, Basic Books

(1994) The Polity Reader in Social Theory. Cambridge, Polity Press.

Giddens, Anthony (1996), Capitalism & Modern Social Theory Cambridge, Cambridge University Press.

Lemert, Charles (2004), Social Theory : The Multicultural and Classic readings, Jaipur, Rawat Publications.

Ritzer George (2000) Modern Sociological Theory, New York, Mc-Graw-Hill.

Turner, Jonathan H. (2001), The Structure of Sociological Theory, Jaipur, Rawat Publication.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-II
Sociology of Planning & Development
SOC/C015

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Concept of Planning and Development: Centralized and Decentralized Planning.

Theories of Planning: Democratic Socialistic and Totalitarian.

UNIT-II

Changing Concept of Development: Economic Growth, Human Development, Social Development And Sustainable Development.

Role of Intellectuals, Bureaucrats and Power Politics in the Planning and Development in India.

UNIT-III

Social Policy and Planning in India: Plan Formulation, Implementation ,Monitoring and Evaluation

Indian Experience of Planning: Sociological Appraisal of Five year Plans.

UNIT-IV

Prospects and Problems of Community Development in India.

Regional Planning and Development with Reference to Problems and Prospects of Garhwal Region.

Readings:

Bulmer, M. Etl. (1989), The Goals of Social Policy, London: Unwin Hyman.

Bandyppadhayay, D. (1987), People's Participation in Planning Kerala Experiment, Economics and Political Weekly, Sept. 24, 2450-54.

Chakraboryt, S. (1987), Development Planning-Indian Experience, Oxford, Claredon Press.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-III (Group A)
Women and Society
SOC/C016A

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Social Construction of Gender: Gender and Biological Sex.

Approaches to the Sstudy of Women: Psychological, Functional, Marxian and Feminist.

UNIT-II

The Changing Status of Women in India: Pre-Colonial, Colonial and Post-Colonial.

Social Reforms and Movement's for the Upliftment of Women in 19^{th} and 20^{th} Centuries.

UNIT-III

The Demographic Profile of women in India, The Declining Sex Ratio, Causes and Consequences.

Development and Women: Technology, Liberalization and Globalization and Their Impact on Women.

UNIT-IV

Women and Law: Domestic Violence, Crime against Women, Women and Human Rights.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Empowerment of Women: Reservation, Role of State and NGOs.

Readings:

Aggarawal, B. (1988), Structure of Partriarcy: State, Community and Household in modernizing India (ed.) New Delhi: Kali for Women.

Ahlawat, Neerja (1995), Women Organizations and Social Networks, New Delhi: Rawat Publications.

Boserup, E. (1970), Wome's Role in Economic Development, London: George Allen and Unwin.

Cater, Libby et al (1977), Women and Men-Changing Roles, Relationship and Perceptions, New York: Praeger.

Center for Women's Development Studies (1987), Women and Development: Gender Issues, Occasional Paper No. 2, New Delhi, CWDS.

Chanana, K. (1988), Socialization, Women and Education: Exploration in Gender Identity, New Delhi: Orient Longman.

Desai, Neera and M. Krishnaraj (1987), Women and Society in India, Delhi: Ajanta Publication.

Dube, Leela and Rajni Parliwal (1990), Structures and Strategies: Women, Work and Family, New Delhi: Sage Publication.

Govt. of India (1988), National Perspective Plan for Women (1988-2000), A.D. Deptt. Of "W.& C.D." New Delhi: Minstry of H.R.D.

Nagla, B.K , Women, Crime and Law, Jaipus, Rawat Publication.

Scanned with OKEN Scanner

Paper IV (Group A)
Sociology of Crime
SOC/C016B

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Criminology: Meaning Nature and Scope

Crime and Criminals: Types, Factors and Theories

UNIT-II

Sociology of Deviance, Conformity and Deviance, Social Disorganization and its Implications.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Suicide, Organized Crimes and White Collar Crimes.

UNIT-III

Juvenile Delinquency: Nature, Causes and Treatment

Development of Modern Correctional Concepts, Probation and Parole, Treatment of Criminals.

UNIT-IV

Punishment: Objectives, forms and theories, Capital Punishment Problems of Alcoholism, Addiction, Prostitution, Corruption and youth Unrest.

Sociology and History of Prison, Reform in India

Readings:

Ahuja, Ram (2000), Social Problems in India, Jaipur: Rawat Publications.

Madan, G.R. (1991), India's Social Problems, New Delhi: Allied Publishers.

Crime in India (2007-08), Crime in India Reports, New Delhi: Government of India.

Thio, Alex (1978), Deviant Behaviour, Boston: Houghton Mifflin Co.

Makkar, S.P. Singh and Paul C. Friday, (1993), Global Perspectives in Criminology, Jalandhar: ABC Publications.

Ministry of Home Affairs, (1998), Crime in India. New Delhi : Government of India.

Sutherland, Edwin H. and Donald R. Cressey, (1968), Principles of Criminology, Bombay : The Times of India Press.

Walklete, Sandra. (1998), Understanding Criminology, Philadelphia : Open University Press.

Ryan Patrick J. and George Rush. (1997), Understanding Organizad Crime in Global Perspective, London: Sage Publications.

Scanned with OKEN Scanner

Paper III (Group B)
Urban Sociology
SOC/C017A

Maximum Marks: 80

UNIT-I

Urban Sociology: Meaning, Nature and Scope, its Relation with Other Social Sciences.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Urban Sociology in India: Emerging Trends in Urban Sociology in India.

UNIT-II

Urban Social Structure: Family, Marriage and Kinship.

UNIT-III

Dimensions of Urbanization and the Social Consequences of Urbanization.

Industrialization and Urbanization their Interrelationship and Consequences.

UNIT-IV

Urban Problems – Migration, Housing , Slums and Poverty, Prostitution, Alcoholism and Drug Addiction, Juvenile Delinquency.

Urban Planning: Meaning Objectives and Agencies. Factors affecting Urban Planning.

Readings:

Alfred D' Souza (1978), The Indian City: Poverty, Ecology and Urban Development, Manohar Publications, New Delhi.

Ashis Boss (1901-1971, 1979), Studies in India's Urbanisation.

Harry Gold (1982), The Sociology of Urban Life, Prentic-Hall.

J.A. Quinn (1967), Urban Sociology, Ch. 14 Eurasia, Delhi.

M.S.A. Rao (ed.) (1974), Urban Sociology in India.

M.S. Gore (1968), Urbanisation and Family Change.

Ram Chandran, R. (1991), Urbanisation and Urban System in India, OUP Delhi.

Raj S. Gandhi (1981), Urban Sociology in India, International Journal Contemporary Sociology, Vol. 18, Nos. & 4, 1981.

Satish Saberwal (ed.) (1978), Process and Institution in Urban India.

Saunders Peter (1981), Social Theory and Urban Question, Hutchionson.

T.K. Oommen (1967), The Rural Urban Continum Re-examined in the India Context, Sociologia Ruralis, Vol. 07, No. 1.

Wilson R.A. and D.A. Schulz (1978), Urban Sociology, Prentice-Hall.

W.W. Burgess & D.J. Bogue (ed.) (1964), Contributions to Urban Sociology, University of Chicago Press.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper IV (Group B)

Religion and Society
SOC/C017B

Maximum Marks: 80

UNIT - I

Sociology of Religion: Definition, Subject Matter.

Approaches to the Study of Religious Phenomena: Theological, Psychological Anthropological and Sociological.

UNIT – II

Religious experiences and institutions: (i) The Scared and the Charismatic,

(ii) Creed, Cult and Codes.

Religious Organization: Church, Sect and Denominations.

UNIT - III

Religion and Social Control: its role in Legitimation.

Religion and Social Change: Weber's Thesis and its Relevance to India.

UNIT - IV

Functions and Dysfunctions of Religion. Communalism in India: its Nature and Socio-Economic Bases.

Religious Revivalism and Process of Secularization.

Readings:

Madan, T.N. (ed.). (1992), (enlarged edition). Religion in India: Oxford University Press.

Muzumdar, H.T. (1996), India's religious heritage. New Delhi: Allied.

Pachauri, J.P. Chakkanatt, J.D. (2004), Religio-Cultural Plurality and Nation-State. Srinagar, Sadharmyam Publication.

Roberts, Keith A (1984), Religion in Sociological Perspective. New York: Dorsey Press.

Shakir, Moin (ed.). (1989), Religion, State and Politics in India Delhi : Ajanta Publications.

Turner, Bryan S. (1991), (2nd edition), Religion and Social Theory. London: Sage.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Paper-V
Dissertation
OR
Viva-Voce

1. Dissertation will be allowed to only those Students who have secured 55% marks in the aggregate of last three Semesters.
2. Dissertation shall be based on the field work. The field work shall be related to the collection of primary data. The field work shall be carried out under the general supervision of Supervisor and Head of the Department.
3. Two typed copies of the Dissertation shall be submitted in the Department through, Head of the Department.
4. The Dissertation shall be examined by the board of examiners consisting of Head of Department/Supervisor and external examiner (to be appointed by University) who shall also conduct the Viva-Voce of the candidate. Both the examiners shall give marks.
5. There will be Viva-Voce as a full paper. The Viva-Voce will be conducted by one External and one Internal Examiner appointed by the University.

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

Department Of Sociology
Sri Dev Suman Uttarakhand University,BadshahiThaul, Tehri Garhwal
Course: M.A (Sociology)

Semester: I

Course Code	Title of The Course	Maximum- Marks
SOC/C001	Introduction to Sociology	80 + 20
SOC/C002	Traditional Sociological Thinkers	80 + 20
SOC/C003	Research Methodology	80 + 20
SOC/C004	Political Sociology	80 + 20

Semester: II

Sub Code	Title Of The Course	Maximum- Marks
SOC/C005	Indian Sociological Thought	80 + 20
SOC/C006	Contemporary Indian Society- Tradition and Change	80 + 20
SOC/C007	Social Psychology	80 + 20
SOC/C008	Social Demography	80 + 20
SOC/C009	Viva-Voce	100

Semester: III

Sub Code	Title Of The Course	Maximum-Marks
SOC/C010	Classical Sociological Thinkers	80 + 20
SOC/C011	Research Techniques & Statistical Analysis	80 + 20
SOC/E012A	Social Anthropology	80 + 20
SOC/E012B	Industrial Sociology	80 + 20
	OR	
SOC/E013A	Indian Social Problems	80 + 20
SOC/E013B	Sociology of Environment	80 + 20

Semester: IV

Sub Code	Title Of The Course	Maximum- Marks
SOC/C014	Modern Sociological Theory	80 + 20
SOC/C015	Sociology of Planning & Development	80 + 20
SOC/E016A	Women and Society	80 + 20
SOC/E016B	Sociology of Crime	80 + 20
	OR	
SOC/E017A	Urban Sociology	80 + 20
SOC/E017B	Religion and Society	80 + 20
SOC/ E018 A	Dissertation	80 + 20
	OR	
SOC/ E018 B	Viva-Voce	100

Scanned by CamScanner

Scanned with OKEN Scanner